Marking Scheme

BSEH Practice Paper (March-2024)

CLASS: 10^{th} (Secondary) (Maximum Marks: 20) **Code: B**

हिंदुस्तानी संगीत तबला

(Hindustani Music Tabla) Percussion InstrumentD

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(½ **X 10 = 05**)

....

प्र01 तबले के दाएं भाग को क्या कहते हैं? ½

उ0 **(A)** मदीन

प्र02 तबले की पुडी कौन–से जानवर के खाल की होती है? ½

उ0 (B) बकरी

प्र0 3 दोनों तबलों के बीचों बीच गोलाई का काला रंग ....कहलाती है। ½

उ0 स्याही।

प्र0 4 स्याही और चांटी के बीच का चमडा ....कहलाता है। ½

उ0 मैदान।

प्र0 5 अभिकथन **(A):** तबले में गटटे की सहायता से स्वर ऊचे किये जाते है।

कारण **(R):** तबले में 08 गटटे होते है।

उ0 **(A) A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

प्र0 6 अभिकथन **(A):** गजरा, तबले का एक अंग है।

कारण **(R):** तबले में पुडी के साथ–साथ चारों ओर चमडे की 16 छिद्रों की एक माला होती है।

उ0 **(A) A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

प्र0 7

कॉलम – 01	कॉलम – 02
A. सम का चिह्न **B.** खाली का चिह्न **C.** मात्राओं के चिह्न	1. 2,3,4,5,6 2. 1,2,3,4,5... 3. 0

D. ताली का चिह्न	4. **X**

उ0 (4) **A-4 B-3 C-2 D-1**

प्र0 8

कॉलम – 01	कॉलम – 02
A. मद्रं सप्तक के स्वर	1. सां रें गं
B. तार सप्तक के स्वर	2. सा रे ग
C. मध्य सप्तक के स्वर	3. रे ग ध
D. कोमल स्वर	4. सा़ रे़ ग़

उ0 (4) **A-4 B-1 C-2 D-3**

प्र0 9 पखावज के दो भाग करके तबला बनाया गया? (सही /गलत) ½

उ0 सही।

प्र0 10 तबले का अविष्कार भरतमुनी ने किया था? (सही/गलत) ½

उ0 गलत।

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(½ X 08 = 04)

....

प्र0 11 एक ताल में कितनी मात्राए होती है? ½

उ0 12

प्र0 12 उत्तरी भारतीय संगीत में किसकी स्वरलिपि पद्वति अधिक प्रचलित हैं? ½

उ0 पंडित विष्णु नारायण भातखण्डें

प्र0 13 चौताल में कितनी मात्राए होती है? ½

उ0 12

प्र0 14 रूपक में कितनी मात्राए होती है? ½

उ0 07

प्र0 15 चौताल में कितने विभाग हैं। ½

उ0 06

प्र0 16 उत्तरी भारतीय संगीत मे सम का क्या चिह्न हैं। ½

उ0 X

प्र0 17 किसी भी ताल में सम कौन–सी मात्रा पर आता है? ½

उ0 पहली मात्रा पर

प्र0 18 उत्तरी भारतीय संगीत की तालों मे विभाग के क्या चिह्न हैं ? ½

उ0 (|) मात्राओं या बोलो के बीच में एक रेखा।

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(2 X 03 = 06)

प्र0 19 चौताल का एक गुण लिखें। 2

उ0 चौताल का एक गुन

चिहन	**X**		0		2		0		3		4	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बेल	धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन

(अथवा)

(OR)

चौताल का दो गुण लिखें।

चौताल का दो गुन

चिहन	**X**		0		2		0		3		4	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बेल	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिटकत	गदिगन	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिटकत	गदिगन

नोट – दो गुन में सभी दो दो बोलो के नीचे अर्द्धचंद्र।

प्र0 20 शुद्ध राग की परिभाषा दें। 2

उ0 शुद्ध राग वह राग होते है जिनमें राग के सभी नियमों का पालन होता है तथा उन्हें शुद्ध रूप में ही प्रस्तुत किया जाता है। इस प्रकार के रागों में अन्य किसी राग की छाया नहीं आती। जैसे राग विलावल और कल्याण।

प्र0 21 छायालंग राग की परिभाषा दें। 2

उ0 छायालंग राग ऐसे राग होते है जिनमें किसी दूसरे राग की छाया आती है। इन रागों को सालग राग भी कहते है। जैसे– तिलक कामोद आदि।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(2½ X 2 = 05)

प्र0 22 आमद, मोहरा व तिहाई की परिभाषा दें और रूपक ताल का एक गुण लिखें। (2½ + 2½) = 05

उ0 आमद– आमद का अर्थ है ʼʼ आगमन। आमतौर पर जो रचना किसी नतीजे पर पहुंचने का एहसास या अंतर्ज्ञान देती है, वह आमद है। नृत्य संगीत में, कथक प्रदर्शन की शुरूआत में प्रस्तुत लयबद्ध बोलो के परिचय को आमद कहा जाता है।

मोहरा – मोहरा और मुखडा मेंकेवल स्थान भेद है। तबला वादन में ठेका प्रांरभ करने से पूर्व जिस रचना को बजाकर सम पर आते है उसे मोहरा कहते है। यदि ठेका बजाने के बाद या बीच से 9वी या 13वी मात्रा से बजाकर सम पर आते है तो उसे मुखडा कहते है।

तिहाई – एक पूरे बोल समूह को तीन बार बजाने पर तिहाई बनती है। इसमें एक गोल–समूह ले लेते है। इस समूह को तीन बार बजाकर सम पर आते है जिसे तिहाई कहा जाता है। इसी प्रकार किसी राग के स्थायी के बोल लेकर भी तीन बार गाते हुए सम पर आने पर भी तिहाई कहा जाता है।

रूपक ताल का एक गुन।

चिहन	**0**			**2**		**3**	
मात्राएं	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**
बेल	**तिं**	**तिं**	**ना**	**धिं**	**ना**	**धिं**	**ना**

(अथवा)

(OR)

अल्ला रखा खां के जीवन परिचय बारे वर्णन करें।

उ0 उस्ताद अल्ला रक्खा का जन्म 29 अप्रैल 1919 में फगवाल ग्राम आज का जिला सांबा में जम्मू में हुआ था। उनकी मातृभाषा डोगरी थी। यह एक भारतीय तबला वादक थे। वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में विशिष्ट स्थान रखते थे। वह सितार वादक रवि शंकर के लगातार संगतकार थे। उनके पुत्र जाकिर हुसैन एक प्रख्यात तबला वादक है। इन्होनें अपना करियर लाहौर में एक सहयोगी के रू^ में किया और फिर 1940 में बॉम्बे में ऑल इंडिया रेडियो के एक कर्मचारी के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होनें कुछ हिंदी फिल्मों के लिए भी संगीत तैयार किया। इनके तीन बेटे थे– जाकिर हुसैन, फ़ज़ल कुरैशी, तौफीक कुरेशी और दो बेटीया थी। इनको पद्म श्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार आदि से भी सम्मानित किया गया। आखिर में उनका निधन 03 फरवरी 2000 को सिमला हाउस में दिल का दौरा पड़ने पर हो गया।